



श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी बूटियाँ हैं कि जो एक बार घोल कर पीलेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे छकेल देता है। - अमृतलाल नागर

# अमृत विचार

## बरेली महानगर

# कर्मचारियों ने निगम गेट पर खड़े किए वाहन, हड़ताल का ऐलान

एबीवीपी के हंगामे के बाद नगर निगम कर्मचारी यूनियन ने भी खोला मोर्चा, छात्र नेताओं पर लगाया अभद्रता का आरोप, रिपोर्ट दर्ज कराने को दी तहसीर

सिटी ब्रीफ  
नोटिस का खोफ, 10

आवास हुए खाली

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम के अंतर्मिम नोटिस के बाद डेलापीर और कोहाङापी में सरकारी जगह पर बने अवैध आवास खाली हो रहे हैं। अब तक 10 से अधिक आवास खाली हो गए हैं। इन आवासों में रहने वाले लोगों निगम के साथ ही सान तक प्रदर्शन नगर निगम की कार्रवाई रुकवाने की गुहार लार्यां लेकिन कई सुनार्ह नहीं हुई है, जिसके दौरान अब आवास खाली करना ही लोगों की मज़बूती बन गया है। दरअसल, बीते दो शहर में हुए बवाल के बाद निगम ने कोहाङापी लिलाके में सरकारी रुकूल की भूमि पर कार बरने वाले और डेलापीर रियत तालाब की भूमि पर बने कुल 34 आवासों पर अंतर्मिम नोटिस भेजे थे। वहीं तभ समय सीमा में आवास खाली करने की कहा गया है। वहीं आगामी सप्ताह के अंत तक ये समय सीमा समाप्त हो रही है। जिसके बाद निगम कार्रवाई करेगा।

बजरंग दल सह

संयोजक पर दो बार

10-10 हजार जुर्माना

बरेली, अमृत विचार : विहिप के महानगर मरी संघर्ष शुक्रवार ने डीएम के बताया कि गंदी की नाम पर नगर आयुक्त ने बजरंग दल प्रखंड सह संयोजक का दो बार 10-10 हजार रुपये की जुर्माना दिया और कई छोटे दुकानदारों पर बहु बड़ा जुर्माना लगाया है। वहीं, प्रशिक्षितोंने जिलालिकारी कार्यालय के गेट पर गोल तरकर में बहु गंदी पटी थी, जिसे बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारियोंने साक्ष किया और नगर आयुक्त को यह संदेश देने का प्रयास कर गया। उसके बाद निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्रता की गई है। इसके विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल रहेगी। वहीं शनिवार से शहर में किसी भी प्रकार का साकार्दा कार्रवाई नहीं किया जाएगा।

पहले भी निगम बन

चुका है अखाड़ा

बरेली, अमृत विचार : नगर आयुक्त कार्यालय का बाहर होंगा कोई और प्रदर्शन का योग होना मामला नहीं है। इससे पूर्व भी तकातीन नगर आयुक्त समुद्रतळ पॉल एन. के कार्यालय के दौरान मामों को लेकर पार्श्वों में भारी होंगा किया था वहीं निधि गुरुत वर्ष के कार्यालय में भी ठेकेदारों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था।

रेल-ग्राहक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग की ओर से शुक्रवार को व्यापार विकास वैठक आयोजित की गई। वैठक की अव्यक्ति मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा ने की। इसमें मंडल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड क्षेत्र के प्रमुख माल ग्राहकोंने भाग लेकर रेलवे के साथ अपने सहायग को और सशक्त करने पर जोर दिया।

मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल माल परिवहन की कृशल, त्वरित और लाभप्रद बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने मंडल के विभिन्न माल गोदामों में उपलब्ध लोडिंग अवसरों की जानकारी दी और ग्राहकों से रेलवे के साथ अधिकतम लोडिंग के लिए प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य रेलवे के आधार पर विश्वविद्यालय के लिए अवधिकारियों ने ग्राहकों द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस आज से चलेगी

बरेली, अमृत विचार : लखनऊ-सहारनपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का सुभारंभ शनिवार को प्रधानमंत्री नंदेंद मोदी द्वारा लोडस्पीकरों व ध्वनि प्रसारित करने वाले यंत्रों के खिलाफ तीन दिवसीय अभियान चलाया जाएगा।

अधियान 8 नवंबर को शुरू होकर 10 नवंबर को समाप्त होगा। इन तीन दिनों में पुलिस सभी धार्मिक स्थलों पर दस्तक देगी।

उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम अदिव्युत मुमा के अनुसार आर्यन ने बताया कि मुख्य स्थलों पर प्रैदरेश और लोडस्पीकर के लिए एक्सप्रेस ट्रेन देंगे। इनमें प्रमुख रुप से एन-एमजी रेक्स की समय पर उपलब्धता और पारगम समय कम करने से संबंधित विषय शामिल रहे।

बैठक में वरिष्ठ मंडल अधिकारियों (समन्वय) भारत भूषण, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (द्वितीय) अरिजित सिंह और मंडल परिचालन प्रबंधक जगदीप सहित कई रेल और रुड़की स्टेशनों पर पहुंचे। जहां रुड़की स्टेशन पर दोपहर 1:40 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस पहुंचेगी। ट्रेन के प्रथम आगमन पर भरेली समेत सभी स्टेशनों पर देशभक्ति से ओतप्रतो सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पहल : शहर के 14 वार्डों में स्थापित हुई कंपोस्ट यूनिट, बनेगी खाद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम लगातार शहर को स्पार्टी सीटी के पायदान पर अवधि ले जाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में अब शहर से निकलने वाले कर्चरे से खाद बनाई जाएगी। इसकी तैयारी निगम ने अंतर्भूत कर दी है। इसको लेकर अनेक सभी 80 वार्डों में कंपोस्ट यूनिट लगाई जाएंगी। जीरो वेस्ट मॉडल के अंदर अनेक वार्डों में रहने वाले कर्चरे से खाद बनाने का कार्य आरंभ कर दिया है। बाकी वार्डों में भी चरणवद्ध तरीके से यूनिट स्थापित करने का कार्य आरंभ कर दिया है। 14 वार्डों के साथ ही अन्य वार्डों में भी यूनिट अयोजित कार्यक्रम में देश के 100 नगर निगमों ने भाग लिया था। इसके

प्रयोगस्था की जा रही है। इसके

श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी बूटियाँ हैं कि जो एक बार घोल कर पीलेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे छकेल देता है। - अमृतलाल नागर

बरेली कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम

बारेली महानगर

अमृत विचार : नगर निगम

बरेली महानगर

अमृत विचार : नगर निगम



## सिटी ब्रीफ

लंबे समय से गैरहाजिर  
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता  
की सेवाएं समाप्त

बरेली, अमृत विचार : बड़ी के आंगनबाड़ी केंद्र हसपुर की अंगनबाड़ी कार्यकर्ता शिवानी यादव की सेविदा समाप्त कर दी गई है।

शिवानी कर्फुरी से निरत अनुपरिण्ठि चल हो थी और उन्हें बाल विकास परियोजना अधिकारी बड़ी के नोटिस जारी किए थे, लेकिन उन्होंने उत्तर नहीं दिया। डीएम ने अनिमोदन प्रदान होने पर छीपीओं ने गुरुवार को उसकी सेवा समाप्त कर दी। छीपीओं मनोज कुमार ने कहा कि शिवानी ग्राम हसनुर में निवासन करता वर्तमान में अपनी सुसालुल मझगवां ब्लॉक के गांव जापुर गौटेंदा में रह रही थी। उनकी अनुपरिण्ठि के कारण आंगनबाड़ी केंद्र में कामकाज प्राप्तित हो रहा था और बच्चों को परेशानी हो रही थी। रीटीपीओं बड़ी के निवासी ने शिवानी के 17 वर्ष एक बड़ी और 10 जून को नोटिस जारी किए लेकिन कोई उत्तर नहीं दिया। इसके बाद डीएम ने अंतिम सुनवाई के लिए सीडीओं को अधिकृत किया। सीडीओं ने 17 अक्टूबर को अंतिम सुनवाई की तरीकी निर्धारित की, लेकिन शिवानी सुनवाई में भी नहीं आई। डीपीओं ने बताया कि अंगनबाड़ी केंद्र हसनुर में वह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की जाएगी।

अस्मिता मिस और सत्यम रस्तोगी मिस्टर फ्रेशर चुने गए



बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के बीसीए विभाग में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें रिंगिंग, डांस, कविता, जैसे कार्यक्रम किए गए। सत्यम रस्तोगी को मिस्टर और अस्मिता को मिस फ्रेशर चुना गया। मुख्य अतिथि के तौर पर सेलफ़ फ़ाइनेंस कोर्स के निदेशक प्रो. एपी रिंगिंग, समन्वयक डॉ. अतुल यादव और विभाग के शिक्षक डॉ. रोमा सक्सेना, डॉ. मनु यादव, डॉ. विकसित शर्मा, डॉ. पक्षक जस्क्सेना, नितेश सक्सेना, प्रवर यादव, अमित शर्मा, स्मृति सिंह आदि उपस्थित रहे।

## विभाजन की स्मृतियों, रंगमंच के इतिहास पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बरेली



अमृत विचार : जगकमल प्रकाशन द्वारा विंडरमेर थिएटर में आयोजित पांच दिवसीय किताब उत्सव के तीसरा दिन शुक्रवार साहित्य, इतिहास और रंगमंच के अद्भुत संगम के रूप में यादागार बन गया। इस दिन 'स्मृति और दर्शन: विभाजन, निरन्तरता और तीसरी पीढ़ी', 'मंच-प्रवेश' और 'बॉन: यादों में बसा शहर' जैसी तीन चर्चाओं के अनुष्ठान को प्रस्तुत किया गया। दिवसर चले सत्रों में विभाजन की स्मृतियों से लेकर रंगमंच के इतिहास और लेखिका इसमत चुनावाई के जीवन

से जुड़े उनके अनुभवों की गहराई को दर्शाई है। राजेश शर्मा ने इसे एक संस्कृति का दस्तावेज़ बताया। लोकार्पण कथाकार हृषीकेश सुलभ, राजेश शर्मा और अमोध महश्वरी के हाथों से संपन्न हुआ। दूसरे सत्र में बलवंत कीर ने पुस्तक 'स्मृति और दर्शन' के लोकार्पण से हुई। इस अवसर पर राजेश शर्मा ने उनसे संवाद किया। सुहेल वहीद ने बताया कि और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

1984 के दोंगों की पीढ़ी को तीन पीढ़ियों की दृष्टि से प्रत्यक्त करती है। अगले सत्र में ब्रजेश सुलभ ने अपने उपन्यास 'दातापीर' से पाठ किया। प्रभात सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे ही दिखती थीं सच्ची, बेबाक और निर्भीक। कार्यक्रम के अंत में अंधेरों और अनदेही जीवन संघर्षों को उजागर करती है। इसके बाद कहा कि हम आज भी जाति, धर्म और सम्मादय के स्तर पर विभाजनों में जी रहे हैं। यह कृति विभाजन और

पुस्तक भारतीय रंगमंच के दो प्रमुख परंपराओं - अलकाजी और पचासी - की रंगयात्रा को जीवंत करती है। दिन का समाप्त का शहर: बरेली विषय पर हुई चर्चा से हुआ। डॉ. ब्रजेश रसिंह, खालिद जावेद और सम्मुन खान ने इस्मत चुनावाई के लेखन और व्यवितरण पर विचार साझा किए। डॉ. सिंह ने कहा कि इस्मत जैसे लिखिती थीं, वैसे

